ओ श्याम जी पड़ा रहने दे

ओ श्याम जी पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
जहाँ जाऊँ भरमाऊ,
कहीं चैन ना पाऊ,
कुछ दिल की भी कहने दे,
पड़ा रहने दे,
अपनी शरण मैं पड़ा रहने दे

ये दुनिया है एक पहेली,
पल में बैरन पल में सहेली,
मै तो चाहु सुलझाऊ,
खुद उलझ ही जाऊं,
उलझन से परे रहने दे, पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
ओ श्यामजी पड़ा रहनें दे,
अपनी शरण मैं पड़ा रहने दे।

दुनियाँ के आगे रोया ही रोया,
कुछ नहीं पाया खोया ही खोया,
मेरे आँसू की क़दर तब होगी अगर,
इन चरणों में बहने दे, पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में,पड़ा रहने दे,

ओ श्यामजी पड़ा रहनें दे,
अपनी शरण मैं पड़ा रहने दे।

द्वार तेरा उलझन की कुँजी,
नाम तेरा बस साँची पूंजी,
चाहे जितने हो ग़म,
डाए दुनिया सितम,
मुझे हँस हँस कर सहने दे,
पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
ओ श्यामजी पड़ा रहनें दे,
अपनी शरण मैं पड़ा रहने दे।

ओ श्याम जी पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
जहाँ जाऊँ भरमाऊँ,
कहीं चैन ना पाऊँ,
कुछ दिल की भी कहने दे,
पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
ओ श्यामजी पड़ा रहनें दे,
अपनी शरण मैं पड़ा रहने दे।

Source: https://www.bharattemples.com/o-shyam-ji-pda-rehne-de/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw